NIOS/Acad./2020/201/07/H

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
माध्यमिक पाठ्यक्रम : हिंदी
पाठ 7 : आज़ादी
कार्यपत्रक - 7

1. आपने आज़ादी कविता पढ़ी। 'आज़ादी' आपके लिए क्या है, विस्तार से स्पष्ट कीजिये।

2. 'आज़ादी' कविता का मूल संदेश अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

3. 'सूरज में घोंसला बनाने को उड़ी जाती चिड़िया' का यह दुस्साहस आज़ादी है'- क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपनी सहमति अथवा असहमति तर्क सहित व्यक्त कीजिए।

4. 'आज़ादी' कविता के आधार पर अपने जीवन से उदाहरण देते हुए ज्ञान और कर्म का संबंध स्पष्ट कीजिए ।

5. 'आज़ादी' कविता के आधार पर 'कर्मठ को बलिदान' और 'बलिदानी को जीवन' का क्या अर्थ है? क्या आप कवि के विचारों से सहमत हैं? तर्क सहित अपना मत स्पष्ट कीजिये ।

6. 'आज़ादी' कविता के अनुसार सपने देखने का अधिकार किसे है? क्या आपको सपने देखने का अधिकार है? विवेचना कीजिये।

7. आज़ादी पाकर हम अपने उत्तरदायित्वों से मुक्त हो जाते हैं या हमारी उत्तरदायित्व बढ़ जाते हैं ? इस संदर्भ में अपने विचार लिखिए।

8. आज़ादी' कविता में शागिर्द के प्रश्नों का उत्तर देने के बाद दर्जी फिर से कपड़े सीने लग जाता है। आप इस से अपने लिए क्या संदेश ग्रहण करते हैं? उल्लेख कीजिये।

9. कविता में आज़ादी को कवि के लिए शब्द, शिकारी के लिए तीर, तन्हाई के मारे के लिए महफ़िल और डरे हुए के लिए पनाह बताया गया है। ऐसे ही कोई दो उदाहरण देकर उसका औचित्य स्पष्ट कीजिये।

10. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिये:

जो कपड़े नहीं सिएगा,
सपने भी नहीं देख सकेगा।
सुई की चमकीली नोंक पर
टिकी है आज़ादी।
आज़ादी वह फ़सल है जिसे
बोनेवाला ही काट सकता है,
वह रोटी, जिसे मेहनती ही खा
सकता है,
यह वह कपड़ा है, जिसे दर्जी ही
पहन सकता है''।